मीठे बच्चों रूहानी डॉक्टर की एक यही समझानी
मेरी याद में बैठो तुम सब बनकर देही अभिमानी
आधा कल्प के लिए तुम सदा निरोगी बन जाओगे
खुशहाल रहोगे सदा तुम और देव पद भी पाओगे
एक मेरी याद में रहकर तुम करते रहना सारे काम
याद और सेवा में व्यस्त रहना नहीं करना आराम
बाप की याद में रहते करते रहो अपने लौकिक धंधे
अंधों की लाठी बनकर नहीं बनो तुम अक्ल के अंधे
रूप बसन्त बनकर मुख से ज्ञान रतन ही निकालो
अपने शुद्ध व्यवहार से दुश्मन को भी दोस्त

बनालो
इस धरती पर सतयुगी संसार योग बल से लाओ
अपने संग हर आत्मा को स्वर्ग के लायक बनाओ
ॐ शांति